(f) if so, the details thereof with class of journey to be provided alongwith fare stages fixed from the station to another trains running in clockwise direction;

(g) whether Government propose to provide 'Free Shuttle Service' from all stations to nearest Bus-Stands; and

(h) if so, the names of such stations to be connected with names of Bus-Stands?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF): (a) to (e) The Ring Railway is already functional. Railways are also in readiness to augment the services on Delhi at an interval of approximately every Ring Railway so as to provide a service 20 minutes (during morning and evening peak hours) on the Southern Ring between Hazrat Nizamuddin and Patel Nagar by August 15, 1994.

(f) The services are proposed with only II class accommodation and normal fare structure at par with that of other trains services on the Railways.

(g) and (h) This pertains to Ministry of Surface Transport and Government of National Capital Territory of Delhi.

रेलवे में संसाधनों की कमी

2215. **श्री ईश दत्ता यादव :**
श्री आस मोहम्मद :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय रेल विभाग में संसाधनों की अत्यधिक कमी है जिसके फलस्वरूप कई निर्माण परियोजनायें स्थगित कर दी गई हैं;

(ख) यदि हां, तो संसाधनों की इस अत्यधिक कमी के क्या कारण हैं; और

(ग) क्या सरकार रेलवे में की जा रही फिजूलखर्ची को रोकने का विचार रखती है ?

रेल मंत्री (श्री सी०के० जाफर शरीफ) : (क) जी, हां । नई लाइन निर्माण परियोजनायें संसाधनों की तंगी का सामना कर रही हैं और उनमें से कुछ परियोजनाओं की लक्ष्य तिथि स्थगित कर दी गई है ।

(ख) नई लाइनों के निर्माण के लिये रेल मंत्रालय को धन विशिष्टतः योजनागत सहायता के रूप में दिया जाता है । इस समय, इस प्रयोजन के लिये आर्थिक आबंटन लगभग 200 करोड़ रुपये है जबकि निर्माण के लिये स्वीकृत परियोजनाओं की लागत लगभग 3000 करोड़ रुपये है । वित्त पोषण का यह स्तर मुद्रास्फीति की दृष्टि से भी पर्याप्त नहीं है ।

(ग) रेलों में खर्च पर नियंत्रण रखना सदा से एक सतत प्रक्रिया रही है तथापि, पिछले 3 वर्षों से इस पहलू पर नये सिरे से बल दिया जा रहा है । इस अवधि के दौरान रेलों में आमान परिवर्तन, रेल विद्युतीकरण, रेलपथ नवीकरण आदि की लागत कम करने में काफी सफलता हासिल की है : ये प्रयास भविष्य में भी जारी रहेंगे ।

दिल्ली और जयपुर के बीच रेल-लाइन का आमान परिवर्तन

2216. **श्रीमती आनन्दीबेन जेठाभाई पटेल :**
श्री कनक सिंह मोहनसिंह मंगरोला :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली–जयपुर मीटर लाइन के आमान परिवर्तन के संबंध में 1993–94 के दौरान निर्धारित किये गये लक्ष्य को कब तक प्राप्त कर लिया गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ;

(घ) क्या सरकार आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि में जयपुर–अहमदाबाद मीटर लाइन को बड़ी लाइन में परिवर्तित करने का विचार रखती है ;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्री (श्री सी०के० जाफर शरीफ) : (क) जी, हां ।

(ख) दिल्ली–जयपुर मीटर लाइन को बड़ी लाइन में बदलने का कार्य पूरा हो गया है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) जी, हां ।

(ङ) दिल्ली–फुलेरा का आमान परिवर्तन पहले किया जा चुका है । फुलेरा से अजमेर तथा मेहसाणा से अहमदाबाद तक आमान परिवर्तन कार्य 1994–95 में तथा अजमेर से मेहसाणा तक 1995–96 में पूर हो जायेगा ।

(च) प्रश्न नहीं उठता ।

गुजरात में चल रही रेल परियोजनाएं

2217. **श्रीमती उर्मिलाबेन चिमनभाई पटेल** : क्या **रेल मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात में कौन-कौन सी रेल परियोजनाएं चल रही हैं और 30 जून, 1994 तक उनके पूरा होने के मामले में क्या प्रगति हुई है ;

(ख) क्या सरकार आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान नई रेल परियोजनायें शुरू करने का विचार रखती है ;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्री (श्री सी०के० जाफर शरीफ) :

(क) गुजरात में चल रही रेल परियोजनाओं की स्थिति तथा 30–6– 1994 तक हुई प्रगति इस प्रकार है:–

	परियोजना	प्रगति
1.	नाडियाड–कपडवंज आमान परिवर्तन	पूरी हो गयी ।
2.	कपडवंज–मोडासा नई लाइन	निम्न परिचालिक प्राथमिकता तथा संसाधनों की तंगी के कारण कार्य अस्थायी रूप से रोक दिया गया है ।
3.	दाहोद, सरदारपुर, धार के रास्ते गोधरा–इंदौर तथा देवास और मकसी के बीच नई बड़ी लाइन	कार्य की, समीक्षा की दृष्टि से लिये अस्थायी रूप से रोक दिया गया है । क्योंकि हाल में किये गये सर्वेक्षण के आमान